



यहाँ पुस्तक, स्टेशनरी, स्पोर्टका समानहरू अर्डर अनुसार पाइन्छ ।

वर्ष : ०१ अंक : १९३ पृष्ठ : ४ २०७७ फाल्गुन ०१ गते शनिबार (Saturday 13 February 2021) www.lahanpost.com मूल्य रु. ५१-

FOLLOW US

facebook: lahanpost

YouTube : lahanpost

twitter : lahanpost

instagram : lahanpost

राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगको चाँसो

घरेलु हिंसा कसुर सजाय सम्बन्धी अन्तरक्रिया

लहान । राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगले घरेलु हिंसा कसुर र सजाय ऐन २०६६ को कार्यान्वयन अवस्था सम्बन्धी लहानमा छलफल तथा एक दिने अन्तरक्रिया कार्यक्रम आयोजना गरेको छ । कार्यक्रममा सिरहा जिल्लामा घरेलु हिंसाबाट पीडित भएका महिलाहरूले आयोग समक्ष आफ्नो दुःखेसो राख्दै न्यायको लागि पहल गरिदिन आग्रह गरेका थिए । आयोगको कानून महाशाखाका अधिकृत सन्ध्या



पुडासैनीको अध्यक्षता र लहान नगरपालिकाका उपप्रमुख सरियार चौधरीको प्रमुख आतिथ्यतामा कार्यक्रम गरिएको



थियो । उपप्रमुख चौधरीले अहंकारले भरिएको समाज हात्रो समाज सदियों देखि भएको टिप्पणी गर्दै यसलाई चिर्नका लागि महिला बाँकी ३ पेजमा

सूचना !

सूचना !!

सूचना !!!

मेसिफर्गुसन ट्राक्टरको खरिदमा

रु. १५,०००/- देखि रु.३०,०००/- सम्मको बम्पर छुट ।

यस छुटको समयावधि यहाँ ३०७७ माघ १० गते देखि चैत्र १५ गते सम्म भएको हुनाले कृपया सौ मोकामा चौका पार्नुहोस् । र, साथै यस छुटको अवधिमा लिने ग्राहक वर्गमा विशेष गिफ्टको व्यवस्था गरिएको छ ।

गिफ्ट किसिम :-

- a) Led TV-24"
- b) Fridge - 170 Ltr.
- c) Leveller

हाम्रो यस फर्म रत्ना ओटो लहान-१, सिरहामा ट्राक्टर बिक्रीको लागि केही कर्मचारीको आवश्यकता भएको हुनाले इच्छुक व्यक्तिले सम्पर्क गर्नुहोला ।

सम्पर्क स्थान :- रत्ना ओटो फोन नं. :- ०३३-५६२१३५
पडरिया-१, लहान सिरहा मोवाइल :- ९८०११५१४३८

मानव अधिकार तथा शान्ति समाजमा यादव

लहान । मानव अधिकार तथा शान्ति समाज सिरहा शाखाको तेस्रो जिल्ला अधिवेशनले संजय यादवको अध्यक्षतामा ११ सदस्यीय कार्यसमिति चयन गरेको छ । तेस्रो जिल्ला अधिवेशनले उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव र कोषाध्यक्षमा क्रमशः नविन यादव, इन्द्र नारायण चौधरी, रामकृष्ण यादव र मेनुका



कोइरालालाई सर्वसम्मत चयन बाँकी ३ पेजमा

श्री सगरमाथा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लि.
लहान न.पा.-३, सिरहा

कर्मचारी आवश्यकता

यस श्री सगरमाथा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था लि. केन्द्रीय कार्यालय लहान-३, सिरहालाई तपसिल बमोजिमका कर्मचारी आवश्यक भएको हुँदा योग्य सक्षम दक्ष अनुभवी व्यक्तिहरूले नागरिकता प्रमाण-पत्रको फोटोकपी सहित आ-आफ्नो योग्यताको प्रमाण-पत्र, बायोडाटा, पासपोर्ट साइजको फोटो २ प्रति सहित लिखित निवेदन मिति २०७७/११/१०५ गते भित्र संस्थाको कार्यालय लहान-३ मा दरखास्त फर्म भर्न आव्हान गरिएको छ ।

तपसिल

क्र.सं.	पद	संख्या	शैक्षिक योग्यता
१.	कार्यालय सहायक (चौथो तह)	१	(क) १२ कक्षा उत्तीर्ण वाणिज्य संकायमा । (ख) कम्प्युटर सम्बन्धी ३ महिनाको तालिम प्राप्त गरेको । (ग) १८ वर्ष पुरा भई ३५ वर्ष ननाघेको ।
२.	बजार प्रतिनिधि (तेस्रो तह)	केही	(क) SEE उत्तीर्ण भएको । (ख) १८ वर्ष पुरा भई ३५ वर्ष ननाघेको ।

नोट:- स्थानीयलाई विशेष ग्राह्यता दिनेछ ।
छनौट प्रकृया सम्पर्क मितिमा जानकारी गराइनेछ ।
सम्पर्क मिति : २०७७/११/१०६ गते विहीवार ।

कर्मचारी भर्ना उप-समिति संयोजक
सम्पर्क नं. ९८४२८४०१३७, ९८०१५३२२२५, ९८०७७४३२२३

WORLDLINK

SPEEDMA BOOST

3C 25 Mbps Rs. 1,250*
6C Rs. 2,700*

Enjoy 100+ HD Channels & 150+ SD Channels FREE with WorldLink

Lahan office: 033-561429, 033-561430 | Mirchaiya: 033550505, | Golbazar: 9801186055, | Kalyanpur: 031-540229



फ्रेन्ड्स मोडेल हस्पिटल, लहान-४

(शिव मन्दिरको उत्तरपट्टि रघुनाथपुर)

हाम्रो सेवाहरू

NICU सहितको प्रसुति सेवा
२४ औं घण्टा इमरजेन्सी सेवा

डाक्टरहरू

बालरोग विशेषज्ञ **डा. वृजेन्द्र यादव**
मधुमेह, प्रेसर **डा. ल्युस्युन यादव**
प्रसुति रोग विशेषज्ञ **डा. विरेन्द्र यादव**

कविता

यो प्यारो नेपाल



कलश ठाकुर

सानु सुन्दर प्रकृति सुसज्जित नेपाल
तराई पहाड विचित्र हिमबतखण्ड हिमाल ।
हाँसे हाँस्यो नौलाख ताराबीच नेपाल
विश्वको अमर ज्योति भई बल्लैछ यो प्यारो नेपाल ।।

कल-कल भरनाको भर - भर आवाज
सल सल बग्ने सयौं नदीका सुस्केरा आवाज ।
तरंग तरेली उठ्दछन् नदीका छालहरूमा
बन्दछन् छायादपण हिमालका रारा तालहरूमा ।।

उकाली ओराली खोलानाला पारी
यहाँ छन् लेक बेसी समथर हिमचुलीहरू सारी ।
हिमाल देखि तराई सम्म मेची देखि महाकाली
जन्नेछन् वीर महापुरुषहरू भन्दै 'म' हुँ नेपाली ।।

डाँडा काँडामा ढकमक्क फुलेछन् गुराँसहरू
शान्तिको मिठो वासना छरेर ।
जङ्गलै-जङ्गल नाचदछ मयुरहरू
खुशीको कर्णप्रिय गीत गाएर ।।

लाग्दछ मलाई यो नेपाल धर्ती अम्बर
यहाँ रहेछन् कला, संस्कृतिका भण्डार ।
फूल्दैछन् कलाका सृजनाहरू नेपालीको हातमा
श्रृजना हुँदैछन् अदभूत कलाहरू यही देशको माटोमा ।।

ओठमा हाँसो दिलमा नेपालको चित्र
नशा-नशामा नेपालको माया छ यो शरीर भित्र ।
सात समुद्र कन्दरा जहाँ भएपनि
अथाह मायाप्रिती छ मलाई जति खिन्नता भएपनि ।।

**भौतिक दुरी कायम गरी कोरोना भाइरसको
संक्रमणबाट आफू पनि बचाउँ र
अरुलाई पनि बचाऔं ।**

-: जनहितका लागि :-

हरेक खबर, विशेष खबर
नि.प्र.का.सि.नं. ११७/०७६/०७७
राष्ट्रिय दैनिक
लहानपोस्ट
LAHANPOST DAILY

मैथिली कथा आ कथाकारक मनोदशा

गत साताको बाँकी अंश

३.२. रमेश रंजनक कथासंग्रह 'फुलवा हरण' : साहित्यकार रमेश रंजन भुक्तिका कथा संग्रह 'फुलवा हरण' मे १८ टा कथा समावेश अइछ । अईसं पहिने २०६७ मे रंजन आ अशोक दत्तके संयुक्त संपादनमे 'कथा यात्रा' प्रकाशित छैन । 'फुलवा हरण' रमेशक पहिल कथासंग्रह अइछ (जनकपुरी :२०७५) । एकर कथासंग्रहमे 'फुलवा हरण' प्रकाशित छैन । 'फुलवा हरण' रमेशक पहिल कथासंग्रह अइछ (जनकपुरी :२०७५) । एकर समीक्षा कान्तिपुरमे प्रकाशित अइछ । बादमे अई पोथीक प्रति-समीक्षा सेहो कान्तिपुरमे प्रकाशित भेल छल । 'फुलवा हरण' विशुद्ध मिथक आ कल्पनामे आधारित अइछ । कथा संग्रहमे जातिय विभेद, ब्राह्मणवादी आडम्बरक विषय नगन्य रूपमे उठाओल गेलछ । मिथिला क्षेत्रमे कथित उच्च जातिवालासभ जई तरहे भ्रामक आ काल्पनिक कथासभह लिखके खास जातिविशेषक देवतुल्य बनाओल गेल कथासभ बड बेसी लिखत पोथीसभमे भेटैत छै । ठीक तहिने भ्रामक शब्दजालसभ अई पोथीमे पडल अइछ । शायद 'सामाजिक कथा'क कारण मात्र, लेखक फराक शैलीमे प्रस्तुत भेल अनुभूति होइत अइछ । कथा संग्रह मैथिली भाषी क्षेत्रमे जकडल मनुवादी संस्कृतिक विषयमे मौन अइछ । अईमे लोकक वाध्यता, विवशता आ मजबुरीक बात त पडल छैक, मुदा ओ सभटा बिकाउ आ लेखकके आत्मरतिक उद्देश्यसं मात्र । वाध्यतामे पडल लोकसभहक समस्या समाधानक उपायबारे कुनू कथा नइ बाजैत छै । पोथीक अधिकांश कथा पढलाक बाद अई निस्कर्षमे पहुँचमे किनको दिक्कत नई होइत आ होमाक चाही । कुनूमे निस्कर्ष निकालैके प्रयास कएल जाए वा बलजोरी कएलाक बादो 'नकारात्मक' भाव मात्र अबैत अइछ । पोथी मैथिली आ मिथिला परिवेशमे लिखल गेल अइछ, ताहिलेले ई समुच्चा तराई-मधेसक प्रतिनिधित्व नई कए सकल अइछ । कथाकार कथित 'अछूत' जातिक बारेमे त लिखने छैथ, मुदा पोथीक भाषा/शैली कथित 'मानक जाति' वाला छैक । ग्राम्य

परिवेश त फगत कथाकारक हाथिक दांत जका देखार भेल अइछ । धनुषाक इर्दगिर्द मात्र कथासभ चक्कर काटि रहल छैक । विविधता खडकैत अइछ । कथाक बहुत जगह प्रयोग भेल शब्दाबली सामान्य मैथिलीजनके बुभाईसं दूर आ ओकरासभके

दिनेश यादव

द्वारा उच्चारण करै जोकरक नई छै । रंजनक कथा संग्रहमे 'शिल्पी समुदाय'क श्रमके विषय जोडदार रूपमे उठान भेल अइछ । मुदा ओकरासभहक विकृति मात्र उजागर कएल गेल अइछ । एकर उदाहरण 'बघवा' भए सकैत अइछ । 'चोरीरडकैती' करैवाला समुदाय कहैके 'बघवा'क कथामे अमुक जातिके निचा देखेमाक जका चित्रण भेल अइछ । एकरा एनाके कहि सकैत छी जे ओई जातिके 'पेशा' कुनू न कुनू रूपसं अपव्याख्या कएल गेल महशुस होइछ, जे पैघ दुर्भाग्य थिक । दादा-पुर्खासं विगतमे भेल गलत क्रियाकलापक उजागर कके ओई जातिके नवतुरिया/पीढिके दोषी समुदायक सदस्य बनेबाक फेरमे कथाकार रहल बुभुइत अइछ (यादव:२०७५) 'चायवाली' कथाक पात्र नाटक आ चलचित्रमे मात्र संभव भए सकैत अइछ, वास्तविक जीवनमे ई दुर्लभ घटना थिक । अई कथामे 'बहुविवाह' के प्रश्रय देमेवाला प्रस्तुति बुभाइत अइछ । कथामे उल्लेखित सामाजिक पक्ष एकटा भए सकैत अइछ मुदा कथाकार जई रूपसं प्रस्तुत भेलाह अइछ ओ बेमेल अइछ । टिबी सरुवा रोग अइछ, घरवालाक निधन कहल गेल अइछ । मुदा पोथीमे क्षयरोगके सरुवा रोग कहि सामान्य रूपमे बुभुमामे दिक्कत होइत छै । क्षयरोगी घरवालाक सद्गतिक बाद ओकर प्रेमिका सौतिनके अपने संगैह रखबाक बात उल्लेख छैक । इ कथाक सकारात्मक पक्ष होइतोहू 'सरुवा रोग' प्रति सचेतना आ 'बहुविवाह'के निरुत्साहित करबाक भाव कथामे अभाव अइछ । पोथीमे 'यात्रा' आ 'बदनाम सहर' मिथिलामे असान्दर्भिक अइछ । अईमे गलत प्रयोग कथाकार कएने छैथ । गर्भवती अवस्थामे विदेश गेल घरवालाके अस्वीकार करैवाली पात्र 'दौना' के स्वाभिमानी कहल गेल अइछ । मुदा घरवालाके विवशतापर कथा चुप्प अइछ ।

रंजन सातम् कृति लिखलाक बादो अई पुस्तकमे ओ अपनाके



परिपक्व नई देखा रहल छैथ । गामक पृष्ठभूमिमे लिखल १३ टा कथा समग्र मैथिली भाषी क्षेत्रक ग्राम्य परिवेशके नई समेट सकल अइछ । पोथीमे १८ टा कथा अइछ । अधिकांशमे 'जनकपुर माने मिथिला आ मिथिला माने जनकपुर' शैलीमे कथाकार प्रस्तुत भेल छैथ । पोथीमे निचा देखबैवाला भाषा शैली बहुत पडल छैक । 'फुलवा' अपनेमे एकगोटा निचा देखाबैवाला शब्द थिक । अपनासं छोटके नामक आगा मिथिलामे 'वा' जोड देनाई पुराने चलन अइछ । मुदा सम्भ्रान्त आ कुलिन जातिमे 'वा' प्रत्यय जोडबाक चलन नइ भेटैत छैक । कथित उच्च जाति आ मालिकसभ गरिब मजदुरसभहकलेले ई शब्दक प्रयोग बेसी करैत छैक । कथाकार पोथीमे 'मालिक जाति' के रूपमे प्रस्तुत भेल दुखद अनुभूति पाठक लोकैनके भए सकैत अइछ । 'बघवा'क 'वा' ओहि रूपसं पोथीमे परल निस्कर्ष निकालल जा सकैत अइछ । कथाकार वामपन्थी मुदा शब्दक चयन 'सामन्ती' जकां आएलछ । पुस्तकमे समावेश कएल गेल सामन्त 'महेश्वरबाबु' वा 'मकसुदनबाबु' नेताक रूपमे छइ । ओसभ गलित कएलाक बादो 'बाबु' बनल छैथ, मुदा श्रम कके पेट भरैवालाके 'फुलवा' बनाओल गेल अइछ । पोथीमे सामन्त शब्द उल्लेख कएलाक बाद कि 'बाबु' लिखैह पडत ? तहिना पोथीमे उल्लेखित शब्दाबलीसभ कन्जुश बाबु, चोरी/डकैती, अपहरण... विकृति आ विसंगति मात्र मैथिली भाषी क्षेत्रमे नई छै, सकारात्मकताक गहिर पकड कथाकारक प्रस्तुतिमे नइ देखल गेल अइछ ।

४. मैथिली भाषी साहित्यकारक नेपालीमे कथा

मैथिली भाषीक भाव नेपाली कथामे कोई रूपसं पडल अइछ, से अध्ययन करबाक लेल डाधीरेन्द्रक कथा 'दूलो माछा र स्यानो माछा' आ डाराजेन्द्र विमलक 'एजेरु' के विषयवस्तु बनाओल गेलछ

४.१. डाधीरेन्द्रके कथा 'दूलो माछा र स्यानो माछा'

मैथिलीक कथाकार डा. धीरेन्द्रके बहुत कथासभ पढ़ने छी । एतह 'तराई-मधेसका कथा' मेसं हुनकर ई कथा लेल गेल अइछ । नेपाली भाषामे मैथिली भाषी कथाकारक प्रस्तुति कून रूपसं होइत छैक, सेहो देखाबाक उद्देश्यसं एकरा छनौट कएल गेल अइछ । सबसं पहिने कहि दि जे नेपाली भाषामे डा. धीरेन्द्रक प्रस्तुति कमजोर अइछ । यदि अनुवाद छी त जबरदस्ती अनुवाद कएल गेल छैक । अई कथामे कथाकार धनकाहा गरिबहापर शोषण करैवाला पुराने बात लिखने छैथ । हां, कथाकार मिथिलाक सामान्य ग्रामीण बजारक परिवेशमे जरुर प्रस्तुत भेल अइछ (प्रधान आ तिवारी :२०६७) । कथामे शिक्षक पात्रके मार्मिक रूपसं परोसल गेल अइछ । चरवाहाक संवाद गजब छै । बिना परिचयके 'बिहारीलाल' पात्र कथामे एकैहबेर टपैक गेल अइछ । पाठकक भवनाके ओकरा चिन्हित करैमे कटीन काज भए सकैत अइछ । मुदा ओकरासाथ दोहा जोडलाक कारण ओ 'दोहाकार' भए सकला अनुमान त कैइए सकैत छी । सामन्ती आ दबंगके रूपमे प्रकट कराओल गेल 'बिरजूबाबू' के 'बनसीवाला'पर दमन रोचकताक साथ पाठकके दयाभाव जगेबाक काज कएने छैक । कथामे 'बिरजूबाबू' प्रति आक्रोशित आ घृणा भाव त अनाहक आइब जाइछ । तहिना, 'बनसीवाला'के ई सल्लाह 'ककरो जमिन नई भेल जगहमे बनसी रखबाक सल्लाह' असंभव होइतो ओतेह कथाकार द्वारा अक्सिजनक काज कएने बुभाइछ । धीरेन्द्रक कथामे पदसोपानक संज्ञान नइ राखल गेल बात कतहू-कतहू देखमामे अबैत छैक ।

बाँकी ४ पेजमा

आजको राशिफल

हाथी पात्रोबाट साभार

गधु :- अधिकार प्राप्तिा लागि संघर्ष गर्नु पर्ला । महत्त्वपूर्ण अवसर गुम्न सकछ । सामान हराउने योग छ, तर विपरीतवर्गबाट विशेष सहयोग मिल्नेछ ।

मकर :- आज आँटेको र ताकेको कार्य पुरा होला । ठीक समयमा सही निर्णय लिन सकिनेछ । बोलीको प्रभाव पनि बढ्नेछ । शुभकार्यको चर्चा चल्नेछ ।

कुम्भ :- आज नयाँ कमको थालनी हुनेछ । धार्मिक यात्राको योगछ । अचल सम्पत्ति हात पर्ला । सद्विचारले अभिप्रेरित हुनेहलाई बिस्तारै लाभ हुनेछ ।

मिना :- आज प्रेम र मित्रताको बन्धन कसिने बेला छ । नयाँ कार्यको योजना बन्नेछ । कार्य सम्पादनमा सहजता मिल्नेछ । दिनको उत्तरार्ध सुखद रहनेछ ।

मेष :- राजनैतिक कार्यमा बाधा आउने र स्वास्थ्यमा समस्या आउन सकछ । फलदायी यात्रा पनि नहोला, तर अभिभावकको आशीर्वादले काम गर्नसकछ ।

वृष :- आज अघुरो काम पूरा होला । पारिवारिक सुखले प्रफुल्लित भइनेछ । व्यवसायका लागि यात्राको सम्भावना छ । कृषि कार्य पनि राम्ररी अघि बढ्नेछ ।

मिथुन :- आज मंगल कार्यको योग छ । अनुहारमा कान्ति र मनमा शान्ति छाउनेछ । आर्थिक क्षेत्र राम्रै रहला । आतिथ्यपूर्ण सम्मान पाइएला ।

कर्कट :- दाम्पत्य जीवन सुखमय हुनेछ । वैदेशिक कार्य अघि बढ्नेछ, तर यात्रामा सावधानी अपनाउनु पर्नेछ र तर्क, विवाद र प्रतिस्पर्धाबाट लाभ हुने छैन ।

सिंह :- धार्मिक कार्य सफल नै रहनेछ । प्रेम सम्बन्ध कसिलो होला । महिला वा मित्रबाट विशेष सहयोग मिल्नेछ । नयाँ ज्ञान सिक्ने मौका मिल्ला ।

कन्या :- काम देखाएर अरुको मन लोभ्याउन सकिनेछ । जोश जाँगर र हिम्मत बढ्नेछ । जीवनसाथीको सल्लाहमा गरिएको कार्यबाट अधिक सफलता मिल्नेछ ।

तुला :- आज अनुहारमा कान्ति र मनमा शान्ति छाउला । बौद्धिक काममा सफलता मिल्ने र मन प्रसन्न रहनेछ । लाभदायक यात्रा पनि हुनेछ ।

वृश्चिक :- शुभकार्यको चर्चा चल्नेछ । नयाँ सवारी साधन प्राप्तिको योग छ । सामाजिक कार्यमा सफलता मिल्नेछ । विपरीतवर्गबाट विशेष सहयोग मिल्नेछ ।

संविधान र नेताहरूको नियति

हरेक कार्य र शासनको लागि विधि सम्मत परिचालित हुन शासक स्थापना गर्नुपूर्व लिखित दस्तावेज बनाईने चलन पुरानै हो । ती दस्तावेजको रूपमा संघ-संस्थाहरूको विधान र नियमहरूले बाँधिएको बहुमतीय लिखत प्रमाणहरू हुन्छन् । प्रमाणहरूकै आधारमा घर परिवार, समाज, संघ-संस्था, कार्यालय, देश परदेशहरू सबै हिड्ने चलन छ ।

पुन्याएर लागू गरिने संविधान छोटो अबधिमा बिरोधाभास भई विभिन्न बितण्डा मच्याउने चलन हाम्रा बाजेहरूको पाला देखि चल्दै आएको अग्रजहरूबाट कथाको रूपमा सुन्नु र बुझ्नु परेको छ । राणाकालदेखि पञ्चायत व्यवस्था हुँदै प्रजातन्त्र र आज

कार्यकर्ताहरूलाई ओईरो आईरहेको हुनु पर्दछ । तर हिजो आज आफ्नै दलको नेताहरूको लज्जाबोध हुने खालका व्यङ्ग्यात्मक दोहोरी सुनेर शर्माउनु परेको छ ।



सरोकार अम्बराज मिश्र

त्यसैका आधारमा निर्वाचन र मनोयन प्रकृया अनुसार शासकहरूको पद बहाली गरी सञ्चालनको बागडोर जिम्मा दिने चलन नौलो पनि होईन ।

नेपालको हकमा अहिले सम्म जुनसुकै व्यवस्थाहरू आए र रहे । सबैले आफूहरू परिचालित रहन आफै सुहाउँदो संविधान र नियमहरू बने तापनि दिगो हुन सकेन, हरेक संविधानहरू १० र २० वर्षहरू मात्र सकि नसकि दिगो भए जस्तै भएको देखिन्छ ।

संविधान बनाउनेकै नाममा देशको ठुलो धनराशी खर्च हुने गरेको छ । जनताहरू सहिद बनाईन्छ, संविधान बनाउने निहुमा न्याले सिंगानेहरूसम्म उपल्लो पदमा पुन्याईन्छ । साँचो मनले देश प्रति अगाध स्नेह भएकाहरू एका दुवा पदमा पुग्छन तर ती अल्पमतमा देखिन्छन । सबैले नस्विकारे तापनी बहुमतीय नियमले बल

गणतन्त्रसम्म आईपुग्दा पटक पटक संविधान बने र संशोधनहरू भई देश र जनता कानुन भित्र हिड्नु परेको यथार्थ ईतिहासका पानाहरू पल्टाउँदा देख्न र पढ्न सकिन्छ ।

व्यवस्था जुनसुकै भए पनि त्यस व्यवस्थाले जनता र राष्ट्रको के के प्रगती हुन सक्यो ? भन्ने समीक्षा सचेत नागरिकहरूले गरेकै हुन्छन । संविधान किन ? के का लागि ? बनाईन्छ ।

यसले दिने निकास के ? भन्ने तर्क पनि आउँछ । लोकतन्त्र र गणतन्त्रको रक्षार्थ १० वर्षे समय खर्चेर सबै दलहरूको अनुभव र एक्सरसाईजबाट बनेको हाम्रो 'संविधान २०७२' बाट गठित एकमाना सरकार भनौ वा दुई तिहाई नजिकको नेपाल कम्युनिस्ट पार्टीको नेतृत्वमा बनेको सरकारमा त्यस्तो के कमी थियो र आज सरकारमा रहेकै सत्ताधारी दल चिरा चिरामा परिणत भएको हो ? भन्ने जनताहरूको प्रश्न दलका

माछा बजारको कोलाहल जस्तो सरकार (सत्ताधारी) दलमा देखिएको छ । के यहि हो गणतन्त्र ? गणतन्त्रमा यस्तै दोहोरी चलिरहने हो र ? जनताले नेताबाट के सिक्ने ?

देशमा दैविय प्रकोपहरू आउँछन र जनतालाई तडपाएर जान्छ, त्यतिखेर सत्ताधारीहरू मौन रहन्छन, तर आफू कुर्सिबाट हट्नु पर्ने अबस्था आउने बितिकै ठुलो धनराशि खर्चेर, मासुभात खाएर, जाँड रक्सी सेवन गराएर, आमसभा, नारा जुलुसमा सहभागी गराएर आफ्नो अभिष्ट पूरा गराईदै गरेको हर्कत हिजो आजको आन्दोलन रूपी सभा सम्मेलनबाट प्रष्ट हुनु परेको छ ।

आफ्नै दलका साथीहरूलाई भित्तिमा पुन्याउने गरी गरिएका कार्यशैलीले जनता अचम्ममा परेका छन, जनतामा व्यवस्था प्रती अन्धौलता छाएको छ । आफ्नै नेतामा विश्वास हराएको छ ।

गलत मनशाय भएकाहरूले धमिलो पानी बनाएर माछा मार्ने सिध्दान्त अपनाई देशको सम्पती ब्रम्हलुट गर्दैछन ।

यसरी ब्रम्हलुट कुनै व्यवस्थामा पनि हुन्थेन होला । संविधान बनाउँदै नेताहरूको नियत ठिक थिएन होला, संविधान प्रती आ-आफ्नै व्याख्या र तर्क छन, तर्क र व्याख्या गराई चिया गफमा सिमित छन ।

संविधानको व्याख्या गर्ने उपल्लो निकायको रूपमा स्थापित सर्वोच्च अदालतको निर्णय नपर्खि वा अदालतलाई नै दबाव दिने गरी धम्कीपूर्ण भाषण र सुभावहरूले जनता समेत आक्रान्त देखिन्छन । सरकारमा बस्ने र बस्न नपाउने बीचको ठुलो खाडल बनाईएको छ । यो खाडल पुर्ने जिम्मेवारी पूरा हुन नपाउँदै व्यवस्था नै अन्त्यै कतै कसैको हातमा जाने त होईन ? भन्ने आम जनतामा त्रास छाएको देखिन्छ । आफ्नै नेताहरूको हिडाईमा हिड्न शरम महशुस भईसकेको अवस्था छ ।

जनता बलेको आगो ताप्ने भिड हो, सभा सम्मेलनको उपस्थितिले बलको जुहारी नदेखाऔं, देशलाई धमिलो पारिसकिएको छ, यहाँ जति खेरै, कसैले पनि माछा मार्ने अबस्थामा पुगि सकेको छ ।

यिनै यस्तै नियती हुनबाट जोगाउन नेताहरूले आफ्नो नियतमा परिपक्वता ल्याउनु होला । होईन भने तपाईं नेताहरूले भन्ने गरेको 'जनताको गणतन्त्र' फुस्केर फुत्केला ... चेतना भया ... अरु के नै भनौ र खोई ।

घरेलु हिंसा ...

अधिकारकर्मीहरूले संघर्षलाई जारी राख्नुपर्ने सुझाइन् । विगतको वर्षहरूमा अधिकारकर्मीहरूलाई काम गर्न कठिन रहेपनि त्यसको तुलनामा अहिले धेरै नै सहज भएको उनले बताइन् । उनले घरेलु हिंसाबाट पीडित महिलाहरूलाई आत्मनिर्भर बनाउन महिला विकास शाखाबाट बजेट छुट्याई सिप विकास तालिमसँगै

जनचेतना कार्यक्रमको आयोजना गरी अगाडि बढाउनुपर्ने प्रतिबद्धता व्यक्त गरिन् । महिला मानव अधिकार सञ्जालकी संयोजक रेणु कर्णले महिलाहरू पीडित हुनुको मुख्य कारण समाजको पितृसत्तात्मक सोचले गर्दा महिलाहरू पीडित बन्दै गएको उल्लेख गरिन् ।

अधिकारकर्मी देबराज पोखरेलले आत्मा हत्या रहल होईन बाध्यताले गर्ने गरेको उल्लेख गर्दै हिंसा प्रभावित

व्यक्तीहरूले न्याय नपाउँदा प्रहरी कार्यालय र न्यायको लागी संजालमा गएर पनि उनलाई सहज र सुरक्षितको महसुस नभएको बताए ।

अधिकारकर्मी भैरब गेलालले पीडितको प्रमाण भनेको मुद्दा हो भन्दै पीडित ले दिएको उजुरीको आधारमा अपराधीलाई कारवाही गर्नुपर्ने बताए । कार्यक्रममा गुना महर्जनले ऐनको बारेमा प्रष्ट पारेका थिए ।

मानव ...

गरेको हो । त्यसै गरी कार्यसमितिका सदस्यहरूमा ओम प्रकाश चौधरी, मंगलदेव यादव, सोनी यादव, कचना कुमारी साह, अंजु चौधरी र प्रदिप यादव सर्वसम्मत चयन भएका छन् । त्यसै गरी अधिवेशनले महाधिवेशन प्रतिनिधिमा संजय यादव र किरण राय दनुवार चयन भएका छन् ।

महत्वपूर्ण टेलिफोन नम्बरहरू

वारुण यन्त्र, लहान	०३३-५६३११५
ईलाका प्रहरी कार्यालय, लहान	०३३-५६०१५५
ईलाका प्रशासन कार्यालय, लहान	०३३-५६०२६६
जि.ट्राफिक कार्यालय, लहान	०३३-५६०७३७
लहान नगरपालिकाको कार्यालय	०३३-५६३१३८
नेपाल विद्युत प्राधिकरण, लहान	०३३-५६०२४६
सव स्टेशन, लहान	०३३-५६०४००
नेपाल टेलिकम, लहान	०३३-५६०४४४
प्राविधिक शिक्षालय, लहान	०३३-५६००१६
अञ्चल यातायात कार्यालय, लहान	०३३-५६०२१७
रा.उ.स्मारक अस्पताल, लहान	०३३-५६००१५
आ. राजस्व कार्यालय, लहान	०३३-५६००८८
कृषि विकास बैंक, लहान	०३३-५६०१४७
कृषि सामाग्री संस्थान, लहान	०३३-५६०१४८
घरेलु तथा साना उद्योग, लहान	०३३-५६०१२८
जिल्ला उद्योग वाणिज्य संघ, सिरहा	०३३-५६३२०५
दु.शा.अतिथि सदन, लहान	०३३-५६०१६५
आँखा अस्पताल, लहान	०३३-५६००८०
जे.एस.मु.ब.क्याम्पस, लहान	०३३-५६०२५२
रक्त संचार केन्द्र, लहान	०३३-५६०५७५
मारवाडी सेवा सदन, लहान	०३३-५६१४११
जि.प्रशासन कार्यालय, सिरहा	०३३-५२०१२३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय, सिरहा	०३३-५२०११२
नगर प्रहरी, सिरहा	०३३-५२०२६७
प्रहरी चौकी, माडर (सिरहा)	०३३-५२०४००
को.ले.नि.का. सिरहा	०३३-५२०१३०
कृषि विकास बैंक, सिरहा	०३३-५२०४७०
जिल्ला समन्वय विकास कार्यालय, सिरहा	०३३-५२००३७
सिरहा जिल्ला अदालत, सिरहा	०३३-५२००५६
जिल्ला अस्पताल, सिरहा	०३३-५२००६४
जनस्वास्थ्य कार्यालय, सिरहा	०३३-५२००८१
जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाई शाखा, सिरहा	०३३-५२०००४
नेपाल टेलिकम, सिरहा	०३३-५२००३३
नेपाल विद्युत प्राधिकरण, सिरहा	०३३-५२०१६१
राष्ट्रिय बाणिज्य बैंक, सिरहा	०३३-५२०००२
रेडक्रस सोसाइटी, सिरहा	०३३-५२००५५
ईलाका प्रहरी कार्यालय, मिर्चैया	०३३-५५०१००
कृषि विकास बैंक, मिर्चैया	०३३-५५०००५
सिता नोबेल न्यूज सेन्टर	०३३-५६००२७
सविना बुक्स एण्ड सप्लायर्स लहान-७०३३-५६०५११	
स्वस्तिका इलेक्ट्रिक एण्ड जेनरल अर्डर सप्लायर्स लहान-१०	५८४२८५०५६५

नगरवासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

शीत-लहरको समयमा चिसोका कारण मानिसको मृत्युसमेत हुन सक्छ त्यसैले :

१. न्यानो कपडाको जोहो समयमै गरौं ।
२. शीत-लहरको समयमा घरबाहिर खुला स्थानमा धेरै समय नबिताउँ, घरबाहिर निस्कनु परेमा वा धेरै समय बिताउनु पर्ने भएमा न्यानो कपडा लगाउँ ।
३. रातको समयमा सिरक, कम्बलजस्ता न्यानो कपडा ओढ्ने गरौं । घरभित्र राति सुत्दा शरीरका साथै अनिवार्यरूपमा छाति तथा टाउको ढाक्ने प्रबन्ध मिलाउँ ।
४. शीत-लहर चलेको समयमा आगो तापेर शरीरलाई न्यानो राख्ने गरौं ।
५. चिसोको समयमा शरीरलाई चाहिने आवश्यक तातो भोलयुक्त खाने कुराहरू खाने बानीको विकास गरौं ।
६. बालबालिका, वृद्धवृद्धा, गर्भवती महिला तथा बिरामीहरूको हेरचाहमा विशेष सतर्कता अपनाउँदै न्यानो अवस्थामा राख्ने व्यवस्था मिलाउँ ।
७. चिसोको कारण बिरामी भएमा तत्कालै नजिकको स्वास्थ्य चौकी वा अस्पतालमा तुरुन्त उपचारको लागि जाने बानीको विकास गरौं ।
८. शीत-लहर चलेको बेलामा पालु पशुपंक्षीलाई सकेसम्म खुल्ला स्थानमा चराउन नलैजाउँ । गोठ/टहरामै राखेर पर्याप्त घाँस, पराल र दाना दिने व्यवस्था मिलाउँ ।
९. चिसोका कारण पशुपंक्षी बिरामी भएमा नजिकैको पशु चिकित्सालयमा तुरुन्तै सम्पर्क गरी औषधी/उपचार गर्न लैजाउँ ।
१०. कोठाभित्र आगो बाली तातो पादा पर्याप्त भेण्टिलेसनको व्यवस्था मिलाउन नभुलौं ।

	लहान नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	मिर्चैया नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	कल्याणपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	गोलेबजार नगरपालिका कार्यालय, सिरहा

	कर्जन्हा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	सुखिपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	धनगढीमाई नगरपालिका कार्यालय, सिरहा
	सिरहा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा

सिंगारिदै सरस्वतीको मूर्ति

लहान । मूर्ति बनाउन कलाकारहरूलाई भ्याइ नभ्याइ छ । कारण बनेको छ नजिकिदै गरेको सरस्वती पुजा । सरस्वती पुजा आउन अब ३ दिन मात्र बाँकी छ ।

मुर्तिको अर्डर बढ्न थालेपछि ग्रामीण र सहरी क्षेत्रका मुर्तिकार अहिले माटाका सरस्वतीको मूर्ति बनाउन र अन्तिम रूप दिन व्यस्त भएका छन् । यस्तै मूर्तिहरू बिक्री गरेर वर्षभरिको गर्जो टार्छन् ।

यस पेशामा संलग्न उनीहरूले बास, पराल, माटो र रंगको संयोजन गरेर मूर्ति बनाउँछन् । उनीहरूले मूर्तिको आकार र मिहिनेत हेरी २ हजार ५ सय देखी १५ हजार रूपैयाँ सम्मका सरस्वतीका

मूर्ति बनाउँछन् । पछिल्लो पटक मूर्तिकला पति युवाहरूको आकर्षण घटेकोले पनि समस्या भएको छ ।

पति ट्याक्टर एक हजारका दरले माटो खरिद

गर्नु पर्ने र मूर्तिलाई सजाउन का सामान पनि महंगिएकाले यस पटक मूर्तिको लागत मुल्य



REDDMI NOTE 9
AI QUAD CAMERA

बढी पर्न गएको यस पेशामा संलग्नहरू बताउँछन् ।

जातीय समाजद्वारा दुईजनालाई आर्थिक सहयोग

महोत्तरी । महोत्तरी नगरपालिका-२, अन्हैठाकी मन्तोरीयादेवी महारालाई चमार कल्याण समाजले कपडा सहित २८ हजार पाँच सय र जनकपुरको मोडेल क्याम्पसमा विविएसमा अध्ययनरत महोत्तरी रामगोपालपुर नगरपालिका-८ थलहीका युवा विधार्थी रामईश्वर महारालाई पढाइ खर्चको लागि दस हजार आर्थिक सहयोग गरेको छ ।

मन्तोरीयाको श्रीमान रामसकल महारा वैदेशिक रोजगारीको क्रममा मलेसियामा हुँदा दुईवटै किडनी डायमेज भएर घर फर्किएका थिए । घर

घडेरी बेचेर ३५ वर्षीय श्रीमानको उपचार खर्चमा लगाए । तर, श्रीमानलाई बचाउन सकेनन् । श्रीमानको मृत्यु पछि छोरा कक्षा १ र छोरी कक्षा ४ मा अध्ययनरत थिए । उनीहरूको पढाइ प्रभावित बन्यो । मनतोरीया भन्छिन्, 'आर्थिक सहयोग गर्नेहरू हाम्रो भगवान् हुन् । यो खर्चले पारिवारिक खर्चको जोहो गर्न र छोराछोरीको पढाइलाई निरन्तरता दिन एउटा सानो

पसल थाप्छु र भविष्य जोड्छु । यस्तै रामईश्वरको बुबा बिरामी परेर मृत्यु भएको पाँच वर्ष भएको छ । उनीहरूको परिवार आर्थिक हिसाबले निकै

कमजोर छ । आमाले नै जनबनी गरेर जेनतेन हुर्काए, पढाए । रामईश्वर पढाइमा राम्रो थियो । उनी उच्च शिक्षाका लागि जनकपुर आएर मोडेल क्याम्पसमा भर्ना भएको छ । ४० हजार तिर्न नसक्दा पढाइ छोड्नुपर्ने स्थिति आएको थियो । तर, चमार कल्याण समाजसँग समाजिक सञ्जालमा सम्पर्क भएपछि उनले पढाइको खर्च पाउने भएपछि निकै खुसी भए । रामईश्वर भन्छन्, 'मेरो खुशीको सिमा छैन । मैले पहिलोपटक जीवनमा यो सहयोग पाएको छु । यो सहयोगले मेरो पढाइमा हौसला थपिएको छु । म पढेर

केही अवश्य बनेर देखाउने छु । आर्थिक सहयोग कार्यक्रमको अध्यक्षता गाउँका जेष्ठ नागरिक रामकिसुन बाबाजीले गरेका थिए भने प्रमुख अतिथि राजेश विद्रोही, विशेष अतिथि हरिनन्दन अम्बेकर, अतिथिहरूमा सुरेन्द्र महारा, शिवराम महारा, प्रकाश महारा, सुरेन्द्र महारा, इन्द्रजीत महारा, राजेश महारा थिए ।

मुलुकको समसामयिक राजनीतिक अवस्था र दलित आन्दोलन बारे विद्रोही र अम्बेकरले आफ्नो महत्वपूर्ण मन्तव्य राखेका थिए । अतिथिहरूलाई स्थानीय गाउँलेहरूले भव्यताकासाथ सम्मान गरेर विदाई गरेका थिए ।

मैथिली कथा ...

४.२. डा.विमलक कथा 'एजेरू' के भाव :

साहित्यकार डा. राजेन्द्र विमलक अधिकांश कथासभामे भावुकताका प्रधानता बड बेसी

रहैत छै । हुनक अई तरहे प्रस्तुति कहियोकाल एकांकी जकां बुझ्प पडैत छै । कथामे लयात्मकता हुनक मौलिकता छैन । मुदा ओ अपन कथामे ऐतेक ने लय दए दैत छैन जे विषयान्तर भेल अनुभूति पाठकके होमे लागैछ ।

तहिना अप्पन मोनपसिन नई भेनिहार पात्रप्रति हुनकर आक्रोश कथामे असानिसं बुझामे आइब जाइछ । कियेक त कथामे 'शत्रु पात्र' के लेल प्रस्तुत कयल गेल हुनक विश्लेषण कडा आ बाण सनक रहैत छैक । ऐतह हुनकर

एकगोटा कथाक निर्मम समीक्षा करबाक प्रयास कएल गेल अइछ । डा.विमलक कथा 'एजेरू' के ऐतह विषयवस्तु बनाओल गेल छैक । समकालीन पहाडी आ मधेसी भावनासं विकसित भेल संकटकालीन स्थितिके प्रतीकात्मक

रूपमे लिखल कथा अइछ ई । मधेससं बसाई सरैक' पहाडि समुदायक वाध्यताक विषयवस्तु कथामे समेटल गेल अइछ (मधुपर्क :२०६५) । डा.विमल कथाक शुरुआत आडनमे खेल रहल वाल पात्रके सजीव चित्रण कएने छैथ । अपने संगीक बेटीके अपने मानैत जई रूपसं ओ कथामे प्रस्तुत भेल छैथ, हियाके भकभोइरके राईख दैत छैक । संगीक बेटीसंग कथाकारक आत्मियता सचमुख लयात्मक अइछ, बेर-बेर पढबाक वाध्यताक सुरुना कथामे कएने छैथ । अपन शौखके सार्वजनिक करैत ओ बारीसं फुलबारीधरि पहुँच जाइत छैथ । ऐतह, वास्तविकताक धरातलीय ई अउर निक संकेतिक प्रस्तुति बैन सकैत छल । पदसोपानक कारण अइ तरहे अनुभूति देमामे कतहू कतहू पाठकके निराश होमे पडैत छैक । कल्पिता आ वीणाक कथा बेजोड छैक । कथामे संवादक क्रममे एक जगह १२ वर्षके बालिका कल्पिताक मूहसं 'मुदा देबाक बात कहबेनाई कनिक बेसी बुझाइछ । वालमनोविज्ञानमे अई तरहे बात बहुत कम देखमामे अबैत अइछ । कि जनकपुर अई तरहे वालमनोविज्ञानस्तरमे पहुँच गेल अइछ ? अई तरहे प्रश्न सेहो पाठकक मोनमे उईठ सकैत अइछ । कथामे एक जगह 'जाइसं पहिने' वाला वाक्य एकाएक आइब गेल छैक, ई कथा पढैवालाके पाइभ-डब्ल्यूच मे सिगिगा देमेवाला छैक । कल्पिताद्वारा 'एजेरू' (परजीवि वनस्पति) उखाईड फेकबाक वाक्यक वाद एकैहबेर मधेसवादी दलक बात शुरु कयल गेलछ । पदसोपान ऐतहू खडकैत अइछ । कथाक शुरु-शुरुके प्रस्तुति सौम्यता, सरलता, सहजता आ सुगमतायुक्त छैक । 'मधेसी' शब्द आइबेते कथाकार 'एक्टिभिष्ट' बैन जाइत छैथ । ते ओ मधेसवादी दलसभके कुकुरमुता जका जन्मल' लिख देने छैथ ।

मधेसिया दलप्रति हुनकर आक्रोश जाएज भए सकैत अइछ, मुदा पाठकके अपने जकां बनेबाक कथाकारक प्रयास अनुचित अइछ । कथामे एकगोटा पात्र प्रभू सेहो छैथ । कथामे प्रभू अवस्था एकगोटा बिमार जकां आएल अइछ, मुदा पानी पिएलाक बाद 'आश्वस्त' शब्द आएल अइछ । इ ऐतह कनिक बेमेल बुझाइछ । ऐतह 'आराम' शब्द उपयुक्त छैक । कथामे मधेसीके 'मायावी राक्षस' के पात्रक रूपमे प्रस्तुत कएल गेल अइछ । सपनामे समेत कथाकार मधेसीयाके 'दानव' के रूपमे देख रहल छैथ । ते प्रभूक सपनामे सेहो ओही मानसिकताक रूपमे प्रकट भेल अइछ । 'एजेरू' मधेसमे द्रुच चर्कल समयमे आ ओकर बादक असरबारेमे बुनल गेल कथावस्तुमे मार्मिकता रहितहू अन्तरगोत्वा ई पहाडी आ मधेसीयाक बीचमे दूरी बडेबाक दिसि उन्मुख अइछ । कथाकारक ध्येय द्रुच समाधानक लेल मध्यस्थकर्ताक होमाक चाहि, मुदा से नई भएके दुई समुदायबीच मनोमालिन्यतामे बृद्धि करबाक मनसाय बुझाइछ । सपना, सपना हेइछ, मुदा सपनाक विषयवस्तुक विपना जकां पेश केनाई गलत अइछ । वर्षौधरि संगैह बैसलररहैवाला दू समुदायबीच कुनू बहानामे द्रुच आ दूरी बडेबाक बात नई होमाक चाहि । कथाकार अई कथामे एकांकी देखार भेल अइछ । सत्ताजातिप्रति जे भाव कथामे पात्रक माध्यमसं प्रस्तुत भेल अइछ ओ एक समुदायके दोसर समुदायप्रति विषवमनक कारककारण बैन सकैत छै, से बात कथाकार बिसैइर गेल जका बुझाइत अइछ । कथामे सर्वस्वीकार्य भाव अनिवार्य मानल जाइत छैक । डा.विमलक ई प्रतिनिधि कथामे एक कोणीय (युनि-एंगुलर) शैली देखल गेल अइछ । ते कथाक अन्तमे सेहो मधेसीयाक परजीविक उपमा देल गेल अइछ । **बाँकी क्रमशः अर्को अंकमा**

गाउँपालिकावासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

शीत-लहरको समयमा चिसोका कारण मानिसको मृत्युसमेत हुन सक्छ त्यसैले :

१. न्यानो कपडाको जोहो समयमै गरौं । २. शीत-लहरको समयमा घरबाहिर खुला स्थानमा धेरै समय नबिताऔं, घरबाहिर निस्कनु परेमा वा धेरै समय बिताउनु पर्ने भएमा न्यानो कपडा लगाऔं । ३. रातको समयमा सिरक, कम्बलजस्ता न्यानो कपडा ओढ्ने गरौं । घरभित्र राति सुत्दा शरीरका साथै अनिवार्यरूपमा छाति तथा टाउको ढाक्ने प्रबन्ध मिलाऔं । ४. शीत-लहर चलेको समयमा आगो तापेर शरीरलाई न्यानो राख्ने गरौं । ५. चिसोको समयमा शरीरलाई चाहिने आवश्यक तातो भोलयुक्त खाने क्रूरहरू खाने बानीको विकास गरौं । ६. बालबालिका, वृद्धवृद्धा, गर्भवती महिला तथा बिरामीहरूको हेरचाहमा विशेष सतर्कता अपनाउँदै न्यानो अवस्थामा राख्ने व्यवस्था मिलाऔं । ७. चिसोको कारण बिरामी भएमा तत्कालै नजिकको स्वास्थ्य चौकी वा अस्पतालमा तुरन्त उपचारको लागि जाने बानीको विकास गरौं । ८. शीत-लहर चलेको बेलामा पाल्तु पशुपंक्षीलाई सकेसम्म खुल्ला स्थानमा चराउन नलैजाऔं । गोठ/टहरामै राखेर पर्याप्त घाँस, पराल र दाना दिने व्यवस्था मिलाऔं । ९. चिसोका कारण पशुपंक्षी बिरामी भएमा नजिकैको पशु चिकित्सालयमा तुरन्तै सम्पर्क गरी औषधी/उपचार गर्न लैजाऔं । १०. कोठाभित्र आगो बाली तातो पादा पर्याप्त भेपिटलेसनको व्यवस्था मिलाउन नभुलौं ।



बरियारपट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा



नवराजपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा



लक्ष्मीपुर पतारी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा



सखुवानन्कारकट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा



अर्नमा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा



भगवानपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा



औरही गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा



विष्णुपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा



नरहा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा

शेख मिडिया हाउसद्वारा सञ्चालित
रेडियो सरगम
300 वाट क्षमता भएकी
हर एक नजिकै आवाज
मैघाहर्ज
Web : radiosargam.net
e-mail : radiosargam93mhz@gmail.com